A–355

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–602

गद्य एवं पद्य काव्य भाग–01

MA SANSKRIT (MASL)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि दण्डी की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. सुबन्धु के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।
3. वासवदत्ता का राजनीतिक परिचय दीजिए।

4. महाकवि दण्डी का काल निर्धारण कीजिए।

5. प्रमुख संस्कृत गद्यकाव्यकारों का परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. दशकुमारचरितम् के प्रथम उच्छवास का कथासार लिखिए।

2. दशकुमारचरितम् की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

3. 'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्' इस उक्ति की विवेचना कीजिए।

4. वासवदत्ता की कथा के कथानक पर प्रकाश डालिए।

5. दण्डी के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

6. सुबन्धु की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

7. 'ब्रह्माण्डच्छत्रदण्डः शतधृतिभवनाम्भोरुहो नालदण्डः
   क्षोणीनौकूपदण्डः क्षरदमरसरित्पट्टिकाकेतुदण्डः।
   ज्योतिश्चक्राक्षदण्डस्त्रिभुवनविजयस्तम्भदण्डोऽङ्घ्रिदण्डः
   श्रेयस्त्रैविक्रमस्ते वितरतु विबुधद्वेषिणां कालदण्डः॥
   उक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए।

8. धर्मार्थ काममोक्षाणां वैचक्षण्यं कलासु च।
   प्रीति कारोति कीर्तिं च साधुकाव्यनिषेवणम्॥
   उक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए।

****